सफर भी हुआ असुविधाजनक, 16 घंटे तक लग रहा समय, श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ी

# पचमढ़ी का एसटी बस किराया 430 से बढ़ाकर किया 585

**बेसा,संवाददाता.** पचमढ़ी यात्रा के लिए नागपुर बस स्थानक से यात्रियों के लिए बस सेवा उपलब्ध कराई गई है, लेकिन इस बार बढ़े हुए किराए और बस की असुविधाजनक सीट व्यवस्था को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी देखने को मिल रही है. यात्रियों का कहना है कि पिछले वर्ष जिस बस का किराया 430 रुपए था, इस वर्ष राजमाता जीजाऊ बस का किराया बढ़ाकर 585 रुपए कर दिया गया है. यानी यात्रियों को प्रति टिकट 155 रुपए अधिक चुकाने पड़ रहे हैं.

यात्रियों के अनुसार, करीब 300 किलोमीटर की इस यात्रा के लिए बस में 3/2 की सीट व्यवस्था है, लेकिन सीटों की चौड़ाई कम होने के कारण लंबे सफर में यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. विशेष रूप से बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा अधिक कठिन साबित हो रही है. यात्रियों का कहना है कि सीटों पर आराम से बैठने के साथ-साथ रात के सफर में आराम करने की पर्याप्त सुविधा भी नहीं मिल पा रही है. किराया बढ़ाया लेकिन लेडीज, 65 वर्ष से ऊपर वाले सीनियर सिटीजन व 75 वर्ष

की उम्र वाले यात्रियों की सुविधाएं बंद करने से वरिष्ठ नागरिकों को पूरी टिकट के पैसे देकर यात्रा करना पड़ा.

जानकारी के अनुसार, नागपुर से रात करीब 10 बजे बस रवाना होती है और सामान्य परिस्थितियों में अगले दिन सुबह पचमढ़ी पहुंचने की उम्मीद रहती है. हालांकि, यात्रा मार्ग पर भारी यातायात के कारण बस को काफी समय जाम में फंसना पड़ रहा है. सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने से यात्रा का समय लगातार बढ़ रहा है. श्रद्धालुओं का कहना है कि सामान्य तौर पर 5 से 6 घंटे में पूरा होने वाला सफर यातायात की समस्या के कारण कई गुना लंबा होता जा रहा है. बताया गया कि बस कई बार अगले दिन दोपहर करीब 2 बजे पचमढ़ी पहुंच रही है. इस तरह श्रद्धालुओं को करीब 16 घंटे तक बस में सफर करना पड़ रहा है. लंबा सफर, कम चौड़ाई वाली सीटें और यातायात जाम ने श्रद्धालुओं की परेशानी और बढ़ा दी है.

**बस की सीट व्यवस्था से बढ़ा पीठ दर्द**

यात्रियों का कहना है कि पिछले वर्ष चलने वाली लालपरी बस की व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर थी. उस समय टिकट का किराया भी 430 रुपए था. इस वर्ष राजमाता जीजाऊ बस का किराया 585 रुपए होने के बावजूद यात्रियों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. श्रद्धालुओं ने बस की सीट व्यवस्था में सुधार करने और किराए को कम करने की मांग की है.

पचमढ़ी यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु नागपुर और विदर्भ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचते हैं. ऐसे में यात्रा के दौरान बेहतर परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है. श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि किराया बढ़ाया गया है तो यात्रियों को उसी अनुरूप बेहतर सुविधा भी मिलनी चाहिए. श्रद्धालुओं ने सरकार और संबंधित परिवहन विभाग से पचमढ़ी मार्ग पर बढ़ते यातायात को नियंत्रित करने की मांग की है.

### एसटी पर नागरिकों के 78 वर्षों के विश्वास को न तोड़ें

महाराष्ट्र राज्य परिवहन (एसटी) सेवा पर राज्य के नागरिकों ने पिछले 78 वर्षों से विश्वास कायम रखा है. वर्ष 1948 में महाराष्ट्र राज्य परिवहन सेवा की शुरुआत हुई थी. उस समय से ही एसटी ने ईमानदार, सुरक्षित और जनहितकारी सेवा के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को जोड़ने का काम किया है. इसी कारण नागरिकों ने हमेशा एसटी को अपनी पहली पसंद माना है. हालांकि, वर्तमान में एसटी विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर यात्रियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. नागरिकों का कहना है कि एक ओर जहां बस सेवाओं में कमी आ रही है, वहीं दूसरी ओर टिकट दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है. इससे यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है. यात्रियों का आरोप है कि सुविधा कम और किराया अधिक होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

### महाराष्ट्र के लोगों की है जीवनरेखा

इसका एक ताजा उदाहरण धार्मिक यात्रा के दौरान देखने को मिला. नागद्वार यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं से बढ़े हुए किराए के बावजूद अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायतें सामने आई हैं. यात्रियों का कहना है कि धार्मिक यात्राओं के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु एसटी बसों पर निर्भर रहते हैं, ऐसे में बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है. नागरिकों का कहना है कि एसटी केवल एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों की जीवनरेखा है. ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी, कर्मचारी, किसान, बुजुर्ग और आम नागरिक आज भी एसटी सेवा पर निर्भर हैं. इसलिए यात्रियों की सुविधा और विश्वास को ध्यान में रखते हुए विभाग को अपनी नीतियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए. एसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित मंत्री से मांग की गई है कि किराया वृद्धि, बसों की उपलब्धता और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं पर मंथन किया जाए. यात्रियों को बेहतर सेवा, आरामदायक यात्रा और उचित किराया उपलब्ध कराकर एसटी के प्रति नागरिकों के 78 वर्षों पुराने विश्वास को कायम रखा जाए. नागरिकों ने अपील की है कि एसटी प्रशासन जनहित को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सुधार करे, ताकि महाराष्ट्र की यह ऐतिहासिक परिवहन सेवा भविष्य में भी लोगों के भरोसे का प्रतीक बनी रहे.

# दिव्या-जिसने हर पड़ाव पर रचा इतिहास

**5 साल की उम्र में पहला टूर्नामेंट... बाल चैंपियन से वर्ल्ड कप विजेता तक का सफर**

**अब अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित होगी शतरंज क्वीन**

**नागपुर.** पांच साल की उम्र में शतरंज की बिसात पर कदम रखने वाली नागपुर की दिव्या जितेंद्र देशमुख अब देश के प्रतिष्ठित अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित होंगी. केंद्र सरकार ने 18 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स-2025 की घोषणा करते हुए दिव्या को शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना. खास बात यह है कि अर्जुन अवॉर्ड के लिए पिछले चार वर्षों के प्रदर्शन के साथ खिलाड़ी का नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन भी देखा जाता है. दिव्या का 2022 से 2025 तक का प्रदर्शन इस कसौटी पर बेहद प्रभावशाली रहा है.

**9 साल की उम्र में विश्व खिताब**

9 दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र में एलजी सोमलवार मेमोरियल इंटर-स्कूल एंड इंटर-कॉलेजिएट चेस टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी शतरंज की शुरुआत की. 2012 में उन्होंने राष्ट्रीय अंडर-7 चैंपियनशिप में पदक जीता, जबकि 2013 में नेशनल अंडर-9 गर्ल्स खिताब अपने नाम किया. इसके बाद उम्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनकी सफलता लगातार बढ़ती गई. 2014 में उन्होंने वर्ल्ड यूथ अंडर-10 गर्ल्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता. 2015 में एशियन अंडर-10 गर्ल्स में स्टैंडर्ड और रैपिड दोनों वर्गों में स्वर्ण हासिल किया. कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में भी उन्होंने -10 (2015), -12 (2017), -16 (2018) और -14 (2019) में स्वर्ण जीते.

**महामारी के बीच भी जारी रहा सफर**

2020 में दिव्या भारतीय टीम का हिस्सा बनीं, जिसने फिडे ऑनलाइन चेस ओलंपियाडा में स्वर्ण पदक जीता. भारत और रूस को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था. कोरोना महामारी के कारण ओवर-द-बोर्ड शतरंज लंबे समय तक प्रभावित रहा, लेकिन दिव्या ने वापसी के बाद अक्टूबर 2021 में अपना अंतिम डब्ल्यूजीएम नॉर्म हासिल कर भारत की 22वीं महिला ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया. इसी प्रतियोगिता में उन्होंने दूसरा आईएम नॉर्म भी हासिल किया था.

**2022-23 में राष्ट्रीय और एशियाई दबदबा**

2022 में महज 16 वर्ष की उम्र में दिव्या ने नेशनल विमेंस चेस चैंपियनशिप जीती. 2022 की प्रतियोगिता में उन्होंने 9/11 अंक के साथ खिताब हासिल किया और अगले संस्करण में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए 9.5/11 अंक बनाए. 2023 में उनका प्रदर्शन और ऊंचा हुआ. अल्माटी में हुई एशियन कॉन्टिनेंटल विमेंस चैंपियनशिप में दिव्या 9 में 7.5 अंक लेकर अपराजित रहीं और स्वर्ण पदक जीता. उसी साल उन्होंने टाटा स्टील चेस इंडिया वुमेंस रैपिड का खिताब भी जीता, जहां उन्होंने विश्व चैंपियन जू वेनजुन और कोनेरू हम्पी जैसी दिग्गजों को पीछे छोड़ा.

**2024 बना करियर का टर्निंग प्वाइंट**

2024 में दिव्या ने फिडे वर्ल्ड जूनियर गर्ल्स चैम्पियनशिप में 11 में से 10 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता. वह शुरुआत से ही शीर्ष पर रहीं और अंतिम दौर तक अपना दबदबा कायम रखा. इसके बाद बुडापेस्ट में हुए 45वें चेस ओलंपियाड में दिव्या भारतीय महिला टीम की अहम खिलाड़ी बनीं. भारत ने पहली बार महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता. दिव्या ने सभी 11 मुकाबले खेले, 9.5 अंक बनाए और बोर्ड- 3 का व्यक्तिगत स्वर्ण भी हासिल किया.

## एक नजर में

### चेक बाउंस मामले में आरोपी को कारावास

**मुलताई।** नगर के 6 साल पुराने एक चेक बाउंस मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मुलताई ने आरोपी को दोषी पाते हुए एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा से दंडित किया है, वहीं आरोपी को आदेशित किया है की वह परिवादी को चेक राशि मय ब्याज सहित 13 लाख 24 हजार 3 सौ रुपए परिवादी को अदा करे। परिवादी के अधिवक्ता सुनील कुशवाह ने बताया प्रकरण में परिवादी संतोष पिता मधुकर पवार की ओर से उन्होंने आरोपी भूपेन्द्र पिता उत्तमराव उर्फ रूपनारायण सोलंकी प्रो0प्रा0 श्रीराम किराना एण्ड जनरल स्टोर्स न्यू सुभाष वार्ड ताप्ती प्रथम पुलिया मुलताई के विरूद्ध 8लाख 50 हजार रुपए का चेक बाउन्स होने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मुलताई के न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया था। जिसमें आरोपी द्वारा राशि लेने से इन्कार कर दिया था,वहीं आरोपी द्वारा चेक पर अपने हस्ताक्षर न होना भी बताया था। लेकिन प्रकरण में आई साक्ष्य से न्यायालय द्वारा परिवादी का प्रकरण सिद्ध प्रमाणित होना पाते हुए परिवादी को चेक राशि 8लाख 50 हजार रुपए एवं चेक दिनांक से उक्त राशि पर प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से अतिरिक्त 4 लाख 74, हजार 3 सौ रुपए इस प्रकार कुल 13लाख 24 हजार 3 सौ रुपए अदा करने के आदेश दिए है।वहीं आरोपी को 1 वर्ष के साधारण कारावास से दंडित किया है।

### चार बॉक्सर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

**बैतूल।** शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल में मंगलवार, 18 अगस्त को संभागीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सांदीपनि विद्यालय बैतूल बाजार के चार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए स्थान बनाया। सांदीपनि विद्यालय की छात्रा मीनाक्षी और सरोज पवार का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वहीं छात्र वर्ग में धैर्य पडधरिया और सोमेश्वर माकोड़े ने भी अपनी बेहतर तकनीक और प्रदर्शन के दम पर राज्य स्तरीय टीम में जगह बनाई।

# पाइपलाइन तोड़ने वाली एयरटेल कंपनी पर प्रशासन मेहरबान

### यवतमाल जल संकट: हाई कोर्ट ने लिया कड़ा संज्ञान

**नागपुर.** यवतमाल शहर के कुछ हिस्सों में पिछले 10-12 दिनों से बाधित जलापूर्ति के मामले में हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए एयरटेल कंपनी द्वारा केबल बिछाने के दौरान पानी की पाइपलाइन तोड़े जाने और प्रशासन द्वारा कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जाने पर संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई. साथ ही कल तक जवाब इस संदर्भ में जवाब दायर करने के आदेश भी दिए. प्राधिकरण द्वारा शहर में पानी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाए जाने के बाद नगर परिषद ने भारती एयरटेल कंपनी को केबल बिछाने के लिए खुदाई करने की अनुमति दी थी. खुदाई का काम करते समय भारती एयरटेल कंपनी ने मौजूदा पानी की पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया. इस लापरवाही के कारण यवतमाल शहर के कुछ हिस्सों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई और पिछले 10-12 दिनों से नागरिकों को पानी नहीं मिल पा रहा है.

**पुलिस और प्रशासन की निष्क्रियता**

इस गंभीर मामले में प्राधिकरण की ओर से अवधूतवाड़ी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी लेकिन हैरानी की बात यह है कि नागरिकों के लिए मुसीबत खड़ी करने और जलापूर्ति बाधित करने के लिए जिम्मेदार भारती एयरटेल कंपनी के खिलाफ अब तक पुलिस या प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई.

### *अधिकारियों ने नहीं किया अधिकारों का उपयोग*

*अदालत के संज्ञान में यह तथ्य भी लाया गया कि %भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023% की धारा 152 के तहत जिला मजिस्ट्रेट और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट के पास सार्वजनिक उपद्रव को हटाने के लिए सशर्त आदेश जारी करने के अधिकार हैं लेकिन उन्होंने इन शक्तियों का प्रयोग नहीं किया. इसके अलावा %महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत और औद्योगिक नगरी अधिनियम, 1965% की धारा 216 के तहत यवतमाल नगर परिषद भी आवश्यक कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल रही.*

### *कार्रवाई का क्या प्रस्ताव*

*नागरिकों को पानी न मिलने की इस आपात स्थिति को देखते हुए न्या. अनिल किलोर और न्या. रजनीश व्यास ने मामले को गंभीरता से लिया. न्यायालय ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि वे कल तक अपना जवाब दाखिल करें. कोर्ट ने स्पष्ट रूप से पूछा कि वे दोषी भारती एयरटेल कंपनी के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत क्या कार्रवाई करने का प्रस्ताव रखते हैं.*

## मदुरै एक्स. में मिली 71,000 की विदेशी शराब, 2 मामलों में 63 बोतल माल जब्त

**नागपुर, नगर प्रतिनिधि.** मध्य रेलवे नागपुर मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के प्रशिक्षित श्वान प्रिंस की सतर्कता से ट्रेन 20494 चंडीगढ़-मदुरै एक्सप्रेस में अलग-अलग मामलों में 63 बोतल विदेशी शराब बरामद की गईं. इसकी कीमत 71,355 रुपए आंकी गई. यह शराब कोच में रखे लावारिस बैगों में मिली. जानकारी के अनुसार, उक्त एक्सप्रेस की जांच के दौरान आरपीएफ के नीरज कुमार, विपिन सातपुते और अपराध खुफिया शाखा के जसवीर सिंह को डाग प्रिंस ने बी-1 कोच की सीट नंबर 27 के नीचे रखे 2 ट्रॉली बैगों की ओर बार-बार संकेत किया. यात्रियों से पूछताछ के बावजूद किसी ने बैग पर दावा नहीं किया. बैग सेवाग्राम स्टेशन पर उतारकर नागपुर लाए गए. सीसीटीवी की निगरानी में जांच करने पर उनमें 36,675 रुपए कीमत की विदेशी शराब की 24 बोतलें मिलीं. इसी बीच रेल मदद पर एक व्यक्ति ने बैगों पर दावा किया. उसके बिलों में केवल 13 बोतलों का उल्लेख था, जबकि बरामदगी 24 बोतलों की हुई. विसंगति के चलते शराब आबकारी विभाग को सौंप दी गई. इसी प्रकार, दूसरे मामले में प्रिंस ने इसी ट्रेन के एस-1 कोच की सीट नंबर 28 के नीचे रखे कपड़े के बैग पर प्रतिक्रिया दी. किसी यात्री ने बैग का मालिकाना हक नहीं जताया.

## मंदिरों में चोरी की घटना को लेकर कांग्रेस का बंद

**भैंसदेही।** आज ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने बीते दिनों नगर के प्रमुख मंदिरों में हुई चोरी की घटना के बीस दिए बाद भी आरोपियों के पकड़े ना जाने और पुलिस की असंवेदनशीलता को लेकर नगर बंद किया , जिसमें जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के अनुरोध पर सकल व्यापारी संघ ने भी एकजुटता दर्शाते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और पुलिस प्रशासन की इस लेट लतीफी की निंदा की । कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जनपद पंचायत प्रांगण में एकत्रित है अपनी मांगों को ले कर प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष विनय

शंकर पाठक, धर्मेंद्र मालवीय, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रानू ठाकुर,नगर अध्यक्ष नरेश मोहरे की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपते हुए एक माह के अंदर इस चोरी का पर्दाफाश करने की मांग करते हुऐ चेतावनी दी है कि यदि इस समयावधि में पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पाता है तो कांग्रेस संगठन भविष्य में ब्लाक बंद , चक्काजाम जैसे उग्र प्रदर्शन करेगा जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी।वही ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठाये ,आम जनता से संवेदनशील व्यवहार, अवैध गतिविधियों शराब, सट्टा, जुआं पर तत्काल रोक लगाये जाने एवं बालाघाट के बैगा आदिवासी परिवार के मृतकों को पचास लाख रुपये प्रति परिवार मुआयना और सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की है।इस अवसर पर एस डी ओपी श्री मौर्य एवं अनुविभागीय अधिकारी श्री मरावी को ज्ञापध सौंपते हुए जनभावना का सम्मान किए जाने की मांग की है ।

## शिक्षक-कर्मियों के वाहनों की जांच, बम की अफवाह के बाद स्कूलों में उपस्थिति पर पड़ा असर

**नागपुर, महानगर संवाददाता.** मंगलवार को शहर के कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल के बाद बुधवार को स्थिति सामान्य नजर आई लेकिन विद्यार्थियों की हाजिरी पर असर पड़ा. करीब 20 फीसदी बच्चे कम आये. वहीं स्कूल प्रबंधन की ओर से शिक्षक-कर्मचारियों के वाहनों की भी जांच की गई. शौचालयों की दिन भर जांच की गई. स्कूलों में पुलिस भी तैनात रही ?.

मंगलवार सुबह करीब 9.45 बजे h&ggzf|@gmail.com से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को पहला धमकी भरा ई-मेल मिला. ?इसके बाद डीपीएस कामठी और मिहान के अलावा केंद्रीय विद्यालय अजनी, कामठी और सोनेगांव, पोद्दार स्कूल के वेलाहरी और काटोल रोड, सेंटर पॉइंट वर्धमाननगर, काटोल रोड और न्यू कॉलोनी, लक्ष्मीनगर स्थित नीरी मॉडर्न स्कूल, भवन्स की त्रिमूर्तिनगर, सिविल लाइंस और कोराडी और बेसा घोगली स्थित माउंट लिटेरा जी स्कूल को भी इस तरह की धमकी मिली थी.

- दिन भर पुलिस की तैनाती

मंगलवार की घटना के बाद उक्त स्कूलों में पुलिस तैनात रही. वहीं शिक्षकों और कर्मचारियों सहित भीतर आने वाली बसों की जांच की गई. कारों की भी जांच की गई.

## आईटीआई के निजीकरण के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

**बैतूल।** जिले के भीमपुर एवं शाहपुर शासकीय आईटीआई सहित प्रदेश की 16 शासकीय आईटीआई को परम फाउंडेशन को हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया के विरोध में युवा आदिवासी विकास संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने ने मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घोड़ाडोंगरी की पूर्व में बंद की गई शासकीय आईटीआई को पुन: प्रारंभ करने तथा सभी संबंधित आईटीआई को शासकीय नियंत्रण में यथावत संचालित रखने की मांग की गई है। इवने ने बताया कि राज्य शासन द्वारा मंत्रिपरिषद के आदेश क्रमांक एफ 15-2/2022/42-2, दिनांक 26 अप्रैल 2022 के अनुसार प्रदेश की शासकीय आईटीआई को परम फाउंडेशन को दिए जाने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में बैतूल जिले के भीमपुर एवं शाहपुर शासकीय आईटीआई सहित प्रदेश की अन्य 14 शासकीय आईटीआई, कुल 16 संस्थानों को परम फाउंडेशन को हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में संचालक, कौशल विकास मध्यप्रदेश द्वारा संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय तथा संबंधित प्राचार्य एवं संस्था प्रमुखों को पत्र भी जारी किए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि ये सभी 16 शासकीय आईटीआई आदिवासी बहुल क्षेत्रों में संचालित हैं, जहां गरीब, मजदूर, ग्रामीण एवं आदिवासी वर्ग के विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा और विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास का प्रशिक्षण लेकर रोजगार के अवसर प्राप्त करते हैं। ऐसे संस्थानों को निजी संस्था को हस्तांतरित किए जाने से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की तकनीकी शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इवने ने बताया कि शासकीय आईटीआई के साथ बालक एवं बालिका छात्रावासों को भी परम फाउंडेशन को हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

## 20 अगस्त से 10 सितंबर तक चलेगा समरसता संकल्प अभियान

**बैतूल।** संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रदेश में श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन 20 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। अभियान के तहत जिले में निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार कलश रथ यात्रा निकाली जाएगी। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने अभियान के व्यवस्थित संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत 18 अगस्त 2026 को रविन्द्र भवन भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज कलश वंदन कार्यक्रम एवं कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद 20 अगस्त को जिला स्तर पर कलश वंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। अभियान के तहत संत सम्मेलन, आध्यात्मिक संवाद, समरसता गोष्ठी एवं सत्संग आयोजित किए जाएंगे।

**मंदिरों में होगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन**

कलश रथ के भ्रमण के दौरान जिला, ग्राम एवं चिन्हित स्थानीय रविदास मंदिरों में कलश का भव्य स्वागत किया जाएगा। सामूहिक आरती, गुरु वाणी पाठ, भजन संध्या, समरसता संकल्प, भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण, प्रभात फेरी, झांकी, दीप प्रज्वलन एवं अन्य धार्मिक-सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भजन मंडली प्रतियोगिता सहित विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों और संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जिले के विभिन्न स्थानों पर स्थित संत गुरु रविदास मंदिरों एवं उनके परिसरों में साफ-सफाई तथा आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे।

## स्कूल में शिक्षकों ने लगवाए पंखे एवं ट्यूबलाइट

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मूलभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। अभियान के तहत जनसहभागिता से स्कूलों में डेस्क-बेंच, पर्याप्त विद्युत आपूर्ति, पंखे, प्रकाश व्यवस्था, ई लर्निंग टूल्स, क्रियाशील शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती वत्सला शिवहरे ने बताया कि अभियान के तहत स्कूलों की व्यवस्थाओं का लगातार निरीक्षण कर आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में माध्यमिक शाला कन्या आश्रम पाढर में पर्याप्त रोशनी एवं पंखों की आवश्यकता सामने आने पर शिक्षकों द्वारा स्कूल भवन में पंखे एवं ट्यूबलाइट लगवाए गए हैं। इस पहल से विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रकाश एवं वेंटिलेशन की सुविधा उपलब्ध हुई है। शिक्षा संजीवनी अभियान के माध्यम से जिले के स्कूलों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक वातावरण तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

**हड़ताल** | 21 अगस्त को भोपाल में प्रदेशभर के अधिकारी करेंगे बड़ा धरना-प्रदर्शन

# कृषि विस्तार अधिकारियों की कलमबंद हड़ताल छठे दिन भी रही जारी

**बैतूल।** ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता, वेतन विसंगति और अतिरिक्त केंद्र भत्ते की मांग को लेकर कृषि विस्तार अधिकारियों का कलमबंद आंदोलन मंगलवार को छठे दिन भी जारी रहा। जिले के सभी विकासखंडों में अधिकारियों ने कार्य बहिष्कार किया, जबकि जिला मुख्यालय पर उपसंचालक कृषि कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक धरना दिया। अब आंदोलन का अगला चरण 21 अगस्त को भोपाल में होगा, जहां प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारी एकजुट होकर बड़ा धरना-प्रदर्शन करेंगे। मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ जिला इकाई बैतूल के अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में

अधिकारी आंदोलन कर रहे हैं। संघ का कहना है कि कृषि विस्तार अधिकारियों का अधिकांश कार्य खेतों और गांवों में किसानों के बीच होता है। इसके बावजूद मुख्यालय से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता मैदानी कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क, कार्यालय, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी भी ई-अटेंडेंस में बाधा बन रही है। अधिकारियों के अनुसार उन्हें कई केंद्रों और दर्जनों गांवों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ती है। कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ खाद-बीज वितरण, फसल संबंधी कार्य, खरीदी व्यवस्था, सर्वे सहित अन्य विभागीय दायित्व भी निभाने पड़ते हैं। कई बार किसानों की जरूरत के अनुसार सुबह से शाम तक फील्ड में रहना पड़ता है। ऐसे में मुख्यालय पहुंचकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना व्यावहारिक नहीं है। संघ ने महिला अधिकारियों की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का भी मुद्दा उठाया है। संघ की प्रमुख मांगों में कृषि विस्तार अधिकारियों का ग्रेड-पे 2400 रुपए से बढ़ाकर 2800 रुपए करना शामिल है। इसके अलावा अतिरिक्त केंद्र का प्रभार संभालने वाले अधिकारियों को मिलने वाले 500 रुपए प्रतिमाह भत्ते को बढ़ाकर 5000 रुपए करने की मांग की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अतिरिक्त केंद्रों और गांवों की जिम्मेदारी के अनुपात में वर्तमान भत्ता बेहद कम है। संघ के अनुसार जिला स्तर पर कार्य बहिष्कार 20 अगस्त तक जारी रहेगा। इस दौरान अधिकारी ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कराते हुए ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। 21 अगस्त को प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारी एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर भोपाल पहुंचेंगे और प्रांत स्तरीय धरना-प्रदर्शन करेंगे। जिला अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि संगठन तकनीक का विरोध नहीं करता, लेकिन मैदानी कार्य की परिस्थितियों को देखते हुए ई-अटेंडेंस व्यवस्था में संशोधन जरूरी है। मांगों का सकारात्मक निराकरण होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

## भारत विकास परिषद ने केंद्रीय विद्यालय में किया पौधरोपण

**मुलताई।** भारत विकास परिषद मा ताप्ती शाखा मुलताई द्वारा मंगलवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मुलताई में पौधारोपण किया। इस अवसर परिषद के सदस्यों ने वट, पीपल, नीम, गुलमोहर, सप्तपर्णी, आम सहित विभिन्न प्रजातियों के 40 पौधे लगाए। विशेष रूप से दो स्थानों पर त्रिवेणी का रोपण किया गया, जिसमें वट, पीपल एवं नीम के पौधे एक साथ लगाए गए। त्रिवेणी का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है और यह पर्यावरण संरक्षण का भी सुंदर संदेश देती है।इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य कालिका प्रसाद,शिक्षक बलराम पाटीदार, यशवंत राव वागद्रे, सचिन अन्य शिक्षकगण एवं कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधों के रोपण में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गोलु गडेकर द्वारा गड्ढे तैयार करने में सहयोग प्रदान किया गया। वहीं पौधों की व्यवस्था में पूर्व नपा अध्यक्ष वर्षा दिनेश गडेकर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।परिषद के अध्यक्ष प्रशांत भार्गव ने कहा कि पौधारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प भी दिलाया गया।कार्यक्रम में राजीव जैन, अभिषेक खंडेलवाल, कन्हैया सोनी, मनोज उईके, मितेश गुलतकर एवं रामेश्वर बुवाडे सहित परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।